PK टाइम्स

लोक टुडे

विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

pktimesnews.com
loktodaynews.com
PK Times News
thepktimesofficial
pk_timesofficial

वर्ष: 12 अंक: 295 | मूल्य: 1.00 रुपए | पृष्ठ: 4 | रविवार, 10 मई, 2026 | RNI No. RAJHIN/2013/50649

दुनिया में खाद-ईंधन की दरों में वृद्धि होने से खाने-पीने की चीजें 3 साल में सबसे महंगी

अमेरिका-ईरान जंग से सप्लाई चेन टूटने का असर, संयुक्त राष्ट्र बोला- अभी और बढ़ेंगे दाम

● नई दिल्ली

दुनियाभर में खाद्य पदार्थों की कीमतें तीन साल में सबसे ऊपर पहुंच गई हैं। यूनाइटेड नेशंस (यूएन) से जुड़े फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ) के मुताबिक, अप्रैल में फूड कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में 1.6 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। यह पिछले साल से 2.5 फीसदी ज्यादा है। इस उछाल की मुख्य वजह अमेरिका-ईरान के बीच जारी युद्ध है। यूएन ने आगे और दाम बढ़ने की चेतावनी भी जारी की है।

हॉर्मुज रूट बंद होने से मुश्किलें बढ़ीं: ईरान युद्ध को 10 हफ्ते पूरे हो गए हैं। इसके चलते हॉर्मुज रूट बंद है। इस रास्ते से डीजल और फर्टिलाइजर (खाद) जैसे खेती के लिए जरूरी सामान की आवाजाही रुक गई है। खाद और ईंधन महंगा होने से किसानों के लिए खेती करना मुश्किल हो रहा है, जिसका सीधा असर आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर पड़ेगा।

खाद्य तेल और मीट की कीमतें सबसे ज्यादा बढ़ीं : रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा असर खाद्य तेल पर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बायो-फ्यूल की मांग बढ़ी है, जिससे वेजिटेबल ऑयल के प्राइज मार्च के मुकाबले 5.9 फीसदी बढ़े हैं। यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे ज्यादा है। वहीं, मीट की कीमत

में 1.2 फीसदी की बढ़त हुई है, जो अब तक का ऑल-टाइम रिकॉर्ड है। अनाज की कीमतों में भी 0.8 फीसदी की तेजी देखी गई है।

अभी कंपनियां स्टॉक बेच रहीं, आगे बढ़ेगी महंगाई

एफएओ के चीफ इकोनॉमिस्ट मैक्सिमो टोरेरो ने एक इंटरव्यू में बताया कि एग्री-फूड इंडस्ट्री फिलहाल इसलिए बची हुई है, क्योंकि कंपनियां पुराना स्टॉक बेच रही हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही कच्चे माल और एनर्जी की बढ़ी हुई लागत कंपनियों के खातों में पहुंचेगी, उपभोक्ता के तौर पर हमें महंगाई का तगड़ा झटका लगेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह तनाव 90 दिनों से ऊपर खिंचता है, तो 2026 के अंत और 2027 में ग्लोबल फूड क्राइसिस (खाद्य संकट) की संभावना काफी बढ़ जाएगी।

अनाज की पैदावार कम होने की आशंका

खराब मौसम और 2026 में गेहूं की बुआई कम होने की खबरों ने भी अनाज के दाम बढ़ा दिए हैं। खाद की बढ़ती कीमतों की वजह से किसान अब ऐसी फसलें उगाने पर विचार कर रहे हैं, जिनमें फर्टिलाइजर का इस्तेमाल कम होता हो। विशेषज्ञों का मानना है कि कमोडिटी मार्केट में आई इस तेजी का असर रिटेल मार्केट तक पहुंचने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन खाने की महंगाई बढ़ना अब तय है।

20 जरूरी चीजों में से 16 के दाम 36 फीसदी तक बढ़े : बैंक ऑफ बड़ौदा के एसेंशियल कमोडिटी इंडेक्स के मुताबिक, भारत में अप्रैल महीने में महंगाई सूचकांक सालाना 1.1फीसदी और मासिक आधार पर 0.3 फीसदी बढ़ा। यह अगस्त, 2025 के बाद सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी है। बीते महीने आम जरूरत की 20 में से 16 वस्तुओं की कीमतें बढ़ीं हैं। खाने के तेल, टमाटर और अन्य जरूरी चीजों की कीमतों में 36त्न तक बढ़ोतरी ने अप्रैल में रिटेल महंगाई 4 फीसदी तक पहुंचा दी है। आगामी महीनों में महंगाई और बढ़ने का जोखिम बना हुआ है, क्योंकि मई में भी कीमतें बढ़ रही हैं।

पंजाब में आप के मंत्री संजीव अरोड़ा ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार सुबह हुई रेड के वक्त वह चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित अपनी सरकारी कोठी पर ही थे। इसके बाद करीब 10 घंटे की पूछताछ की गई। जिसके बाद शाम करीब 5 बजे ईडी की टीम चंडीगढ़ और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में उन्हें दिल्ली ले गई। आगे की पूछताछ उनसे दिल्ली में ही होगी। उनकी रात ईडी के लॉकअप में बीतेगी। ईडी ने शनिवार सुबह ही मंत्री अरोड़ा पर रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के 5 ठिकानों में हुई है।

अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत की नई तैयारीः अगले हफ्ते पाकिस्तान में सकती है बैठक

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रही खींचतान अब खत्म होने की दिशा में बढ़ती दिख रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देश अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर से मेज पर बैठ सकते हैं।

पश्चिम बंगाल शपथ ग्रहण समारोह 2026 में पीएम मोदी समेत कई दिग्गज नेता शामिल

शुभेंदु अधिकारी बने मुख्यमंत्री

दिलीप घोष सहित 5 मंत्रियों ने ली शपथ, भाजपा सरकार ने संभाली कमान

तृणमूल कांग्रेस ने किया विरोध

बंगाल की राजनीति में नए दौर की शुरुआत

कोलकाताः

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक इतिहास बदला गया। भाजपा के शुभेंदु अधिकारी शनिवार को राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल आर.एन. रवि ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत भाजपा के शीर्ष नेता और कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। हजारों भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक भी वहां जुटे।

दिलीप घोष सहित 5 मंत्रियों ने ली शपथ

शुभेंदु अधिकारी के साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक शामिल हैं। भाजपा ने 2026 के विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की थी, जिसके बाद शुभेंदु को विधायक दल का नेता चुना गया। अमित शाह ने उनके नाम की घोषणा की।

टीएमसी का विरोध

तृणमूल कांग्रेस ने इस सरकार का विरोध किया है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि वे मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। शुभेंदु अधिकारी के घर कांथी में भी जश्न का माहौल रहा। कार्यकर्ता उनके परिवार के घर के बाहर इकट्ठा हुए और नई सरकार से विकास, कानून-व्यवस्था और शिक्षा सुधार की उम्मीद जताई। यह बंगाल की राजनीति में नया अध्याय है।

वैभव सूर्यवंशी के टी-20 में सबसे तेज 100 छक्के

नई दिल्ली।

गुजरात ने शनिवार को राजस्थान को 77 रन से हराकर आईपीएल इतिहास की अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की। जयपुर में खेले गए मैच में राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सबसे तेज 100 टी-20 छक्के पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया। रवींद्र जडेजा ने जोस बटलर का विकेट लेने के बाद जेब में डालने वाला खास सेलिब्रेशन भी किया।

100 छक्कों के लिए वैभव ने खेली 514 गेंद इस मैच में राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 में सबसे तेज 100 छक्के पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पहले ही ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। वैभव ने 514 गेंदों में 100 छक्के पूरे कर वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ा। पोलार्ड ने 843 गेंदें खेली थीं।

आर्चर ने सबसे लंबे आईपीएल ओवर के रिकॉर्ड की बराबरी की मैच का पहला ओवर राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर ने डाला। इस ओवर को पूरा करने में उन्हें 11 गेंदों लग गईं। इस ओवर में उन्होंने 4 वाइड और एक नो-बॉल सहित 18 रन दिए। यह आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे लंबा ओवर भी रहा।

पीएम का आज 3 राज्यों का दौरा

बेंगलुरु/हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को तीन राज्यों का दौरा करेंगे। सुबह 11 बजे कर्नाटक के बेंगलुरु में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के 45वें स्थापना दिवस समारोह में भी हिस्सा लेंगे। यहां एक 'ध्यान मंदिर' का उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद पीएम दोपहर में 3 बजे के करीब तेलंगाना जाएंगे। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स की नींव रखेंगे। कुछ का इनॉगरेशन करेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

इसके बाद शाम को पीएम गुजरात जाएंगे, रविवार रात को जामनगर में रुकेंगे। 11 मई को पीएम सुबह लगभग 10.15 बजे सोमनाथ मंदिर में 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में शामिल होंगे। बाद में, वे वडोदरा जाएंगे, जहां'सरदारधाम हॉस्टल' का उद्घाटन करेंगे। यहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

कर्नाटकः आर्ट ऑफ लिविंग का 45वां स्थापना दिवस

पीएम मोदी आज सुबह बेंगलुरु में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के 45वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। वे कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे।

थलापति की 'विजय'

तमिलनाडु में टी विजय की सरकार बनने का रास्ता साफ, टीवीके ने दिया समर्थन

चेन्नईः

अभिनेता थलापति विजय की पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए बहुमत हासिल कर लिया है। वीसीके ने तीन दिन की सस्पेंस के बाद आखिरकार समर्थन दे दिया। अब विजय के पास 118 से ज्यादा विधायकों का साथ है।

टीवीके ने जीती थी 108 सीटें

234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों का समर्थन जरूरी है। टीवीके ने चुनाव में 108 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के 5, सीपीआई और सीपीआई (एम) के 2-2 तथा वीसीके के 2 विधायकों के समर्थन से कुल संख्या 118 के पार पहुंच गई है। वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने टीवीके को आधिकारिक समर्थन पत्र सौंपा।

हॉर्स ट्रेडिंग के डर से कांग्रेस के विधायक हैदराबाद शिफ्ट

हॉर्स ट्रेडिंग के डर से कांग्रेस ने अपने सभी 5 विधायकों को हैदराबाद शिफ्ट कर दिया है। वे ताज कृष्णा होटल में ठहरे हुए हैं।

राज्यपाल को 121 विधायक के समर्थन का लेटर दिया

टीवीके विधायकों के रिसॉर्ट की सुरक्षा बढ़ाई

7 मईः लेफ्ट का साथ मिला, 117 विधायक हुए

लेफ्ट पार्टियों सीपीआई और सीपीआई (एम) ने अपने 2-2 विधायकों के साथ टीवीके को समर्थन देने का ऐलान किया। विजय ने राज्यपाल से लगातार दूसरे दिन मुलाकात की। राज्यपाल ने फिर 118 विधायकों का समर्थन दिखाने को कहा। विजय थोड़ा समय मांगकर वापस लौट गए।

8 मईः वीसीके का समर्थन, शाम को इनकार

विजय की पार्टी टीवीके ने वीसीके से समर्थन मिलने का दावा किया। शाम को विजय लगातार तीसरे दिन फिर गवर्नर के पास पहुंचे, लेकिन देर रात तक ड्रक्ष्य ने समर्थन देने की पुष्टि नहीं की। मामला फंस गया। शपथ फिर टल गई।

डब्ल्यूएफआई ने विनेश फोगाट को दिया कारण बताओ नोटिस

26 जून तक घरेलू टूर्नामेंट में खेलने पर लगाई रोक

नई दिल्ली।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को विनेश फोगाट को कारण बताओ नोटिस भेजा है। डब्ल्यूएफआई ने विनेश पर अनुशासनहीनता, डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। साथ ही संघ ने विनेश को 26 जून 2026 तक घरेल टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित किया है।

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, डब्ल्यूएफआई ने ये फैसला इसलिए किया है क्योंकि विनेश ने रिटायरमेंट से वापस आने वाले खिलाड़ियों को छह महीने नोटिस पीरियड में गुजारने के यूडब्ल्यूडब्ल्यू डोपिंग रोधी नियम का पालन नहीं किया। इस नियम के तहत संन्यास से वापसी कर रहे खिलाड़ियों को छह महीने बिना किसी टूर्नामेंट में उतरे गुजराने होते हैं।

डब्ल्यूएफआई ने थमाया 15 पेज का नोटिस

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को 15 पेजों का नोटिस थमाया है और कहा है कि उन्होंने ने जो आचरण किया है उससे राष्ट्रीय स्तर पर काफी बदनामी हुई है, साथ ही इससे भारतीय कुश्ती की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। नोटिस में विनेश पर डब्ल्यूएफआई के संविधान, यूडब्ल्यूडब्ल्यू इंटरनेशनल कुश्ती के नियम और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के आरोप लगे हैं।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट, भाजपा मुख्यालय और सरकारी इमारतों पर सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली।

दिल्ली में स्टेट बीजेपी ऑफिस पर आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। इसको देखते हुए आसपास की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। आतंकी डीडीयू मार्ग स्थित दिल्ली बीजेपी मुख्यालय और आसपास के सरकारी दफ्तरों को निशाना बना सकते हैं। अलर्ट मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। दिल्ली पुलिस ने पूरी दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मामले की जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस के साथ पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों की तैनाती की गई है। खुफिया विभाग को प्राप्त इनपुट में आशंका जताई गई है कि आतंकी संगठन दिल्ली बीजेपी कार्यालय और सरकारी संस्थानों को निशाना बना सकते हैं।

सीबीआई की कार्रवाईः अनिल अंबानी की कंपनियों मुंबई में 17 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली।

देश के बैंकिंग सेक्टर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाने वाले कथित घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप की कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ मुंबई में 17 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई कॉर्पोरेट गवर्नेंस और बैंक फंड की हेराफेरी के बड़े मामलों पर जांच एजेंसियों के कड़े रुख को दर्शाती है।

सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार, यह सर्च ऑपरेशन रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन अलग-अलग मामलों के तहत किया गया है।

कोटा मेडिकल कॉलेज में मौतों के बाद दवाइयों पर रोक

निशुल्क दवा योजना के तहत हुई थी सप्लाई, ऑपरेशन में काम आने वाले इंजेक्शन-ग्लूकोस पर भी पाबंदी

जयपुर। कोटा में सीजेरियन डिलीवरी के बाद बिगड़ी तबीयत और 2 प्रसूताओं की मौत के बाद ड्रग डिपार्टमेंट ने उन दवाइयों के उपयोग पर रोक लगा दी है, जिनका उपयोग वहां हुआ था। ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने कोटा मेडिकल कॉलेज से गायनी वार्ड में (ऑपरेशन के बाद) उपयोग होने वाली 24 तरह की दवाइयों, उपकरणों के उपयोग पर रोक लगाई है।

ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक ने अलग-अलग पत्र लिखकर राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लि. प्रदेश के तमाम दवाई विक्रेताओं (रिटेलर और हॉलसेलर) को आगाह किया है कि वे इन दवाइयों की सप्लाई आगामी आदेशों तक नहीं करें। इनमें 15 ऐसी दवाइयां हैं, जो ऋस्स्टरु की तरफ से मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के तहत कोटा मेडिकल कॉलेज को सप्लाई की हैं।

सम्पादकीय

हिंसा अस्वीकार्य

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरुआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे। दरअसल, ये लोग अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक शरण लेकर अपने मंसूबों को पूरा करते रहे हैं। जाहिर है,अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है तो वे भाजपा की छतरी के नीचे आने की कोशिश कर रहे होंगे। कहीं न कहीं हालिया हिंसा में उनकी भी भूमिका हो सकती है। यही वजह है कि भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि अब तक टीएमसी से जुड़े रहे कुछ लोग खुद को भाजपा का बता रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी को यहां तक कहना पड़ा कि जब तक भाजपा किसी व्यक्ति को पार्टी का सदस्य न बनाये तब तक वह व्यक्ति खुद को भाजपा का नहीं बता सकता है। बहरहाल, राज्य में शांति की स्थापना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

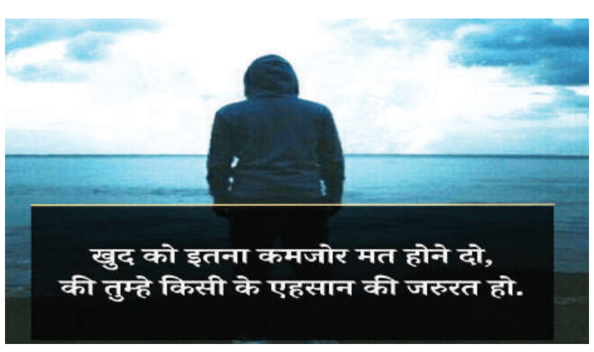

इंडी में बिखराव का खतरा

विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी अनिवार्य भूमिकाएं हैं। जहां सत्ता नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा, संतुलन और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष स्वयं ही असंगठित, दिशाहीन और अंतर्विरोधों से ग्रस्त हो जाए, तब लोकतांत्रिक संतुलन भी प्रभावित होता है। हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है। उसे विकास कार्यों में सहयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बना रहे। दुर्भाग्यवश, पिछले दो दशकों में विपक्ष का एक बड़ा वर्ग इस रचनात्मक भूमिका से भटकता दिखाई दिया है, जहां नीतिगत बहसों की जगह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक शोर-शराबा अधिक प्रमुख हो गया है।

इंडिया गठबंधन का गठन एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ हुआ था-भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना। प्रारंभिक स्तर पर यह प्रयास कुछ हद तक सफल भी दिखाई दिया, जब इस गठबंधन ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से दूर रखने में भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट होता गया कि यह गठबंधन वैचारिक एकता से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका आंतरिक समन्वय है, जहां विभिन्न दलों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं और अलग-अलग राजनीतिक एजेंडे अक्सर एक-दूसरे से टकराते हैं। सीट बंटवारे से लेकर नेतृत्व के प्रश्न तक, हर स्तर पर मतभेद सामने आते रहे हैं, जिससे यह स्थिति बनती है कि केवल एक साझा विरोध के आधार पर गठबंधन को स्थायी नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी जैसे प्रमुख चेहरों के बीच जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, वह गठबंधन की आंतरिक स्थिति को और अधिक उजागर करती है। सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे की आलोचना करना न केवल राजनीतिक परिपक्वता की कमी को दर्शाता है, बल्कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा करता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने का तरीका और मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जब गठबंधन के नेता ही एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने लगें, तो यह संदेश जाता है कि गठबंधन केवल नाम का है और वास्तविकता में वह बिखराव की ओर बढ़ रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष का रुख भी उसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है। यह विधेयक भारतीय समाज की आधी आबादी से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय था, लेकिन इसका विरोध जिस रूप में सामने आया, उसने विपक्ष की स्थिति को कमजोर किया। विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसका स्वरूप रचनात्मक होना चाहिए था। यदि विपक्ष इस विधेयक में सुधार के सुझाव देता, उसके क्रियान्वयन की समय-सीमा और प्रक्रिया पर सवाल उठाता, तो वह अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता था, लेकिन सीधे विरोध में खड़ा होना, वह भी बिना स्पष्ट जनसंदेश के यह दर्शाता है कि विपक्ष मुद्दों को समझने और उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत करने में चूक कर रहा है। इसका प्रभाव विशेष रूप से महिला मतदाताओं पर पड़ा, जिन्होंने इसे अपने अधिकारों के विस्तार के रूप में देखा और इसी का राजनीतिक लाभ भाजपा ने अपनी रणनीति के माध्यम से उठाया। भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आत्मसमीक्षा और सुधार की क्षमता रही है। हार के बाद भी वह अपने संगठन, नेतृत्व और रणनीति में बदलाव करती है, जिससे वह और अधिक मजबूत होकर सामने आती है। इसके विपरीत, विपक्ष अक्सर अपनी हार के कारणों को बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जिससे

वह अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में असफल रहता है। राजनीति में परिपक्वता का अर्थ है हार को स्वीकार करना, उससे सीखना और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाना, लेकिन इस दिशा में विपक्ष को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

विपक्षी गठबंधन के भीतर सबसे बड़ा संकट हितों का टकराव है, जहां हर दल अपने क्षेत्रीय आधार को मजबूत करने की कोशिश करता है और इसी प्रक्रिया में वह अपने सहयोगी दलों से भी प्रतिस्पर्धा करने लगता है। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां सहयोग और प्रतिस्पर्धा एक साथ चलते हैं और अंततः यही स्थिति बिखराव को जन्म देती है। जब तक गठबंधन के भीतर स्पष्ट भूमिका निर्धारण, न्यूनतम साझा कार्यक्रम और नेतृत्व की स्वीकृति नहीं होगी, तब तक यह टकराव समाप्त नहीं होगा। विपक्षी दलों की यह नाकामी केवल रणनीतिक कमजोरी नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व की मंशा और प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। जब विपक्ष जनहित के मुद्दों को छोड़कर सत्ता प्राप्ति के लिए अवसरवादी गठजोड़, भ्रामक प्रचार और व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है, तब वह अपनी नैतिक विश्वसनीयता खो देता है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व जनभावनाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व करना और सरकार को सही दिशा में प्रेरित करना है, न कि केवल विरोध के लिए विरोध करना। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपने आचरण और दृष्टिकोण में सुधार लाए, सिद्धांतों और मूल्यों पर आधारित राजनीति को पुनर्जीवित करे तथा जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करे। तभी भारतीय लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में मजबूत और संतुलित बन सकेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष स्वयं को पुनर्गठित करे, अपनी वैचारिक स्पष्टता स्थापित करे और जनता के सामने एक सकारात्मक एवं ठोस विकल्प प्रस्तुत करे। केवल विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनहित के मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण और व्यवहारिक समाधान भी आवश्यक हैं। आंतरिक मतभेदों को सार्वजनिक करने के बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाना होगा और जनता के बदलते मिजाज को समझते हुए अपनी रणनीति को नया स्वरूप देना होगा। भारतीय राजनीति एक ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां मतदाता अधिक सजग और निर्णायक हो चुका है। ऐसे में गठबंधन की राजनीति को केवल संख्या के खेल से आगे बढ़कर विश्वास, समन्वय और स्पष्टता की नींव पर खड़ा होना होगा। बिखराव केवल राजनीतिक शक्ति को ही कमजोर नहीं करता, बल्कि लोकतंत्र के संतुलन को भी प्रभावित करता है। अंततः राजनीति में वही सफल होता है जो समय के साथ सीखता है, बदलता है और स्वयं को बेहतर बनाता है। हार को पचाना और उससे सीख लेना केवल एक कहावत नहीं, बल्कि सफल राजनीति का मूलमंत्र है, जिसे भाजपा ने बार-बार सिद्ध किया है और अब विपक्ष के सामने भी यही चुनौती है कि वह इस मूलमंत्र को अपनाकर अपने बिखराव को शक्ति में बदल पाए या फिर आंतरिक संघर्षों में उलझकर अपनी प्रासंगिकता खोता जाए।

आतंक के खिलाफ निर्णायक प्रहार

रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिखने और पश्चिम एशिया के न युद्ध-न शांति के दलदल में फंसे होने के बावजूद हाल के समय के दूसरे संघर्षों के मुकाबले आपरेशन सिंदूर को एक मानक अभियान के तौर पर देखना महत्वपूर्ण है। इस आपरेशन की सबसे खास बात थी-सैन्य ताकत का तीव्र और नियंत्रित तरीके से निर्णायक इस्तेमाल, ताकि संघर्ष-विस्तार में रहते हुए ऐसे रणनीतिक नतीजे हासिल किए जा सकें, जो सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों। इसका उद्देश्य था, पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकी नेटवर्क के गढ़ पर सीधा हमला करना और अगर पाकिस्तानी सेना जवाब देती है, तो उसे भारी नुकसान पहुंचाना। यह एक जिम्मेदार ताकत द्वारा राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के बार-बार दोहराए जाने वाले कृत्यों को सजा देने के लिए चलाया गया एक सटीक और संयमित प्रतिरोधी अभियान था।

हालांकि भारत ने 2019 में बालाकोट में आतंकरोधी अभियान में आक्रामक हवाई शक्ति के इस्तेमाल का प्रयोग किया था, पर इस बार जैश और लश्कर के मुख्यालयों पर हमले की तत्परता ने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए जोखिम उठाने की नई प्रवृत्ति और संघर्ष बढ़ाने की इच्छाशक्ति को उजागर किया। इसमें यह सोच स्पष्ट थी कि एक व्यापक संघर्ष भारत के हित में नहीं है, भले ही पाकिस्तान को और अधिक नुकसान पहुंचाने का सैन्य प्रलोभन मौजूद हो।

भारत ने आपरेशन सिंदूर के दौरान कोई अतिरिक्त नुकसान नहीं होने दिया और सैन्य श्रेष्ठता के बावजूद पाकिस्तान के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। चार दिनों के भीतर ही संघर्ष समाप्त करने से जो सैकड़ों करोड़ रुपये की बचत हुई, उसने पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत की आर्थिक सहनीयता में योगदान दिया। पश्चिम एशिया संघर्ष में अमेरिका के 27 अरब डालर से भी ज्यादा खप चुके हैं और तनाव अभी भी कायम है।

आपरेशन सिंदूर की तैयारी के चरण में केंद्रीकृत नियंत्रण का एक स्पष्ट माडल देखने को मिला। इसके पहले स्तर पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षामंत्री थे, जबकि दूसरे पर सीडीएस और तीनों सैन्यप्रमुख। सेना प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों को स्पष्ट और ठोस रणनीतिक परिणाम बताए गए थे। इससे उन्हें व्यावहारिक कार्ययोजना बनाने में मदद मिली।

भले ही हजारों सालों में युद्ध के स्वरूप में कई बदलाव आए हों, लेकिन कौटिल्य, सुन जू, क्लाजविट्ज, लिडेल हार्ट जैसे रणनीतिकारों द्वारा बताए गए युद्ध के अधिकांश मूल सिद्धांत समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। आपरेशन सिंदूर की सफलता ने प्रतिरोध करने की सीमाओं का विस्तार किया। भारत ऐसा इसलिए कर पाया, क्योंकि इसने समय की कसौटी पर खरे उतरे युद्ध के कुछ सिद्धांतों और संकट के समय फैसले लेने के तरीकों का पालन किया। वायु सेना के इस्तेमाल का फैसला एक साहसी कदम था, जो आज के संघर्षों के बदलते स्वरूप को दिखाता है और जिस पर बारीकी से विश्लेषण करने की जरूरत है। चीन से मिली पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने और उन्हें जाम करने के बाद भारत ने पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में घुसकर हमला किया। इस हमले में पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-

कश्मीर में मौजूद लश्कर, जैश और हिजबुल मुजाहिदीन के 9 आतंकी ठिकाने तबाह हो गए। कुछ ही घंटों के भीतर भारत ने अपने हमले का दायरा और बढ़ाया तथा नूर खान, सियालकोट, सरगोधा, स्कार्दू, भोलारी, जैकोबाबाद एयरबेस जैसे 11 प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। इस कार्रवाई से पाकिस्तान की सामरिक क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचा। हवाई हमलों की तीव्रता से यह साफ हुआ कि पाकिस्तान को पहुंची क्षति 1971 के युद्ध में पश्चिमी मोर्चे पर वायुसेना द्वारा पाकिस्तानी वायु सेना के हवाई अड्डों को पहुंचाए गए कुल नुकसान से कहीं ज्यादा था।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की एकीकृत हवाई रक्षा प्रणाली की परिपक्वता को भी साबित कर दिया, जो दुश्मन की मिसाइल और ड्रोन-केंद्रित रणनीति का मुकाबला करने में सक्षम है। हालांकि वायुसेना को भविष्य में अधिक शक्तिशाली दुश्मनों के खिलाफ किसी भी सीमित संघर्ष की स्थिति में अपने प्लेटफार्म, हथियारों और प्रणालियों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए तेज गति से सीखने की आवश्यकता होगी। भविष्य के युद्ध-क्षेत्रों में लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों से मुकाबले के लिए एकीकरण और तालमेल की जरूरत होगी। वर्तमान में चल रहे सुधारों और ढांचागत पहलों पर शायद फिर से विचार करना पड़े, ताकि एक ऐसा संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जा सके, जो आपरेशन सिंदूर के दौरान सीखे गए अनुभवों पर आधारित हो। हालांकि दुनिया भर में चल रहे संघर्षों से कई रणनीतिक सबक मिलते हैं, लेकिन भारत को दूसरी जगहों से युद्ध-लड़ाई के माडल अपने रणनीतिक और परिचालन वातावरण पर लागू करने के प्रति सावधान रहना चाहिए।

विशेष आलेख /राशिफल

चुनाव बाद हिंसा का दुष्चक्र

पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले और चुनाव के दौरान तो हिंसा से बच गया, लेकिन चुनाव बाद हिंसा से नहीं बच पा रहा है। केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद भी जिस तरह हिंसा जारी है, उससे पिछले विधानसभा चुनावों के बाद की भयावह हिंसा का स्मरण हो आया। तब ममता की सत्ता में वापसी हुई थी और उनके नेता-कार्यकर्ता निरंकुश होकर विरोधी दलों के समर्थकों पर टूट पड़े थे।

उस समय ममता ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि अभी उन्होंने शपथ नहीं ली है। इस बार वे इस खोखले तर्क की आड़ में छिपती दिख रही हैं कि चूंकि जीत भाजपा को मिली है, इसलिए हिंसा रोकने की जिम्मेदारी उसी की है, लेकिन यह ध्यान रहे कि अभी नई सरकार का गठन नहीं हुआ है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि बंगाल में हिंसा इसलिए हो रही है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता हार की खीझ भाजपा समर्थकों पर निकाल रहे हैं।

ममता ने यह कहकर एक तरह से अपने समर्थकों को उकसाया ही है कि वे हारी नहीं, बल्कि उन्हें हराया गया है और इसलिए वे त्यागपत्र नहीं देंगी। स्पष्ट है कि वे चुनाव बाद हिंसा भड़काने के आरोपों से बच नहीं सकतीं। स्पष्ट यह भी है कि तृणमूल समर्थक आतंकित करने वाली हिंसा का जो परिचय दे रहे हैं, वह उस हिंसक राजनीतिक संस्कृति की देन है, जिसे ममता ने पिछले 15 वर्षों में उसी तरह संरक्षित किया, जैसे एक समय वाम दलों ने किया था। बंगाल में आतंक मचा रहे हिंसक तत्व कितने

अधिक दुस्साहसी हैं, इसका खौफनाक प्रमाण है भाजपा के वरिष्ठ नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मार कर हत्या। सुवेंदु का यह आरोप सच हो तो हैरानी नहीं कि रथ की टारगेट किलिंग इसलिए हुई कि उन्होंने ममता को चुनावी मात दी।

इस हत्या के साथ भाजपा समर्थकों को निशाना बनाने वाली अन्य हिंसक घटनाओं के पीछे तृणमूल समर्थकों का हाथ होने की भरी-पूरी आशंका इसलिए है, क्योंकि अतीत में भी उन्होंने ऐसी हिंसा की है और सब जानते हैं कि ममता ने कभी उसकी परवाह नहीं की। यह अच्छा हुआ कि इस्तीफा न देने की जिद पर अड़ीं ममता को बर्खास्त कर दिया गया, लेकिन जब तक भाजपा सत्ता नहीं संभालती, तब तक चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन को यह देखना होगा कि मौजूदा हिंसा पर कैसे लगाम लगे।

वैसे तो चुनाव बाद 60 दिनों तक केंद्रीय बलों को बनाए रखने का फैसला लिया गया था, पर शायद उनकी तैनाती और बढ़ानी पड़े। जो भी हो, भाजपा को यह समझ आ जाना चाहिए कि उसके सामने अन्य अनेक चुनौतियों के साथ कानून एवं व्यवस्था के मोर्चे को ठीक करने की गंभीर चुनौती है। उसे इस चुनौती का सामना करना ही होगा, क्योंकि इससे ही राज्य को पटरी पर लाया जा सकता है।

क्या कहते है आपके सितारें....?

मेष — आज आपको किसी भी नए काम का आरंभ नहीं करने की सलाह दी जाती है। अपनी वाणी और व्यवहार को नियंत्रण में रखें। दोस्त के रूप में छिपे हुए शत्रुओं से सावधान रहें।

वृषभ — अति आवश्यक काम को पूरा करने के लिए आज का दिन अच्छा है। आपकी रचनात्मक शक्तियों में वृद्धि होगी। वैचारिक दृढ़ता एवं मानसिक स्थिरता के कारण काम सफल रहेंगे।

मिथुन — आज मन में किसी बात की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का मामला कमजोर रहेगा। दफ्तर में उच्च अधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा।

कर्क — आपकी वाणी और व्यवहार के कारण असमंजस की स्थिति न उत्पन्न हो, इसका ध्यान देने की जरूरत है। आवेश और उग्रता के कारण किसी से तकरार न हो, इसका ध्यान रखें।

सिंह — आज आपका मन बहुत संवेदनशील रहेगा और आप मानसिक रूप से अस्वस्थ्य रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा है। आज आपके सभी काम आसानी से पूरे होंगे।

कन्या — आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। घर का वातावरण आनंदप्रद रहेगा। शारीरिक रूप से स्वस्थता और मानसिक रुप से खुशी मिलेगी। नौकरी और व्यावसायिक स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा।

तुला — आपका आज का दिन आनंददायक रहेगा। आर्थिक लाभ होगा तथा विदेश में रहने वाले सगे-संबंधियों के समाचार मिलेंगे, इससे आप काफी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए लाभकारी है। नौकरी और व्यापार में भी लाभ के संकेत हैं। मित्रों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजार सकते हैं।

धनु — निजी विचारों को छोड़कर दूसरों के विचारों को अपनाने की जरूरत है। घर तथा परिजनों के काम करते समय आपके लिए समाधानकारी व्यवहार अपनाना उचित रहेगा।

मकर — आप आज के दिन पूरी तरह से आमोद-प्रमोद में बिताना पसंद करेंगे। अपने दैनिक कामों से मुक्त होकर अपने लिए थोड़ा समय निकाल सकेंगे। मित्रों के बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा।

कुंभ — आज आप आर्थिक जिम्मेदारियों के प्रति ध्यान देंगे तथा कहीं निवेश की योजना भी बना सकेंगे। आर्थिक लाभ होने की संभावना है। मन में उत्साह तथा विचारों की स्थिरता के कारण सभी काम आप अच्छी तरह से कर सकेंगे।

मीन — आप अपने दृढ़ आत्मविश्वास और मनोबल से सभी काम को सफलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में आपकी बौद्धिक प्रतिभा दिखेगी।

मौसम : आंधी में टिन शेड के साथ हवा में उड़े, मौत

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर कमजोर पड़ने के साथ ही गर्मी तेज होने लगी है। पश्चिमी जिलों में हीटवेव का दौर शुरू हो गया। इससे जैसलमेर और बाड़मेर में पारा 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। दूसरी ओर, राज्य के कुछ जिलों में आंधी-बारिश भी देखने को मिली। नागौर, अजमेर, टोंक और सवाई माधोपुर के इलाकों में शुक्रवार दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ था। यहां बादल छाए, धूलभरी हवाएं चलीं और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने 3 जिलों (जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर) में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। साथ ही भरतपुर, धौलपुर, करौली, अलवर के आसपास के क्षेत्रों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। उधर, बूंदी के देई में शुक्रवार शाम को आए अंधड़ ने एक व्यक्ति की जान ले ली। तेज हवा के बीच मकान की दूसरी मंजिल पर कोली मोहल्ला के रहने वाले केसरीलाल महावर (55) टिनशेड संभालने गए थे। बवंडर टिनशेड के साथ केसरीलाल को करीब 80 फीट दूर उड़ा ले गया। वह सीधे मोबाइल टावर से टकराए और नीचे गिर पड़े।

जैसलमेर, फलोदी, बाड़मेर में हीटवेव

पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो पूरे राज्य में मौसम ड्राय रहा। धूप रहने से गर्मी रही। जैसलमेर, फलोदी, बाड़मेर में सबसे ज्यादा गर्मी रही। इन जिलों में हीटवेव भी चली। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 44 .8 डिग्री सेल्सियस फलोदी में दर्ज हुआ। बाड़मेर में पारा 44 .6 और जैसलमेर में 44 डिग्री सेल्सियस रहा। पश्चिमी जिलों के अलावा कोटा, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, उदयपुर में भी दिन में गर्मी तेज रही। चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 43 .4, भीलवाड़ा में 41 .4, उदयपुर में 41 .6, कोटा, बीकानेर में 42, जोधपुर में 42 .9, चूरू, श्रीगंगानगर में 40, नागौर, जालोर में 40 .7 और पाली में 40 .8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

टोंक में बारिश, अजमेर, सवाई माधोपुर में आंधी

पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में तेज गर्मी के बीच टोंक, अजमेर, सवाई माधोपुर, नागौर और बूंदी के कुछ एरिया में मौसम में बदलाव हुआ। टोंक में दोपहर बाद बादल छाए और धूलभरी हवा चलने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। बूंदी, नागौर, अजमेर, सवाई माधोपुर के भी कुछ एरिया में बादल छाए और हल्की आंधी चलने से यहां लोगों को गर्मी से राहत मिली।

जयपुर : तापमान में 2 डिग्री की गिरावट

राजधानी जयपुर के निवासियों को गर्मी से मामूली राहत मिली है। शुक्रवार को शहर के तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिससे अधिकतम तापमान 38 .5एष्ट पर आ गया। न्यूनतम तापमान 22 .4एष्ट रहा। हालांकि दिन के समय धूप का असर बना रहा, लेकिन शहर में चली हल्की हवाओं ने उमस को कम कर दिया, जिससे लोगों को पिछले दिनों के मुकाबले राहत महसूस हुई।

उदयपुर : एक ही दिन में 2.3 डिग्री चढ़ा पारा

उदयपुर में शुक्रवार को गर्मी ने अपने तेवर दिखाए। दिनभर तेज धूप और लू का प्रकोप बना रहा। 8 मई को शहर का अधिकतम तापमान 41 .6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 7 मई के 39 .3 डिग्री के मुकाबले 2 .3 डिग्री अधिक रहा। इसी तरह न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 22 .0 से बढ़कर 23 .2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सुबह से ही तीखी धूप के साथ दोपहर बाद चली गर्म हवाओं ने आम जनजीवन को खासा परेशान किया।

अजमेर : दिनभर की तपिश, शाम को बूंदाबांदी से मिली राहत

अजमेर में शुक्रवार को दिनभर भीषण गर्मी का दौर चला। शाम होते ही मौसम ने करवट ली और धूल भरी आंधी चलने लगी। शहर के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40 .4 और न्यूनतम तापमान 23 .6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने आने वाले समय के लिए आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है।

सीकर : न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री का उछाल

सीकर जिले में मई के पहले सप्ताह की ठंडक के बाद अब गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को दिनभर तेज धूप के साथ छिटपुट बादल छाए रहे। हल्की हवा भी चली। बादलों की आवाजाही के कारण दिन के अधिकतम तापमान में करीब 1 .5 डिग्री की गिरावट आई, जबकि न्यूनतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 23 .9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

कोटा : 42 डिग्री पहुंचा पारा

कोटा शहर में गर्मी का सितम लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को शहर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 25 .4 डिग्री सेल्सियस रहने से रात के समय भी गर्मी से खास राहत नहीं मिल रही है। दिनभर तेज धूप और चलती गर्म हवा (लू) के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग गर्मी से बचने के लिए जतन करते नजर आए।

राजस्थान में हीटवेव के साथ आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर

राजस्थान में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। शनिवार को तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के नजदीक पहुंच गया। बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर के एरिया में हीटवेव की चपेट में रहे। श्रीगंगानगर, जालोर, बीकानेर, उदयपुर समेत कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। पूर्वी जिले अलवर, जयपुर, करौली, दौसा में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मौसम विभाग ने पश्चिमी जिलों में अगले दो-तीन दिन तेज हीटवेव चलने का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी राजस्थान में आंधी चलने, बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की भी चेतावनी है। आज (रविवार) 4 जिलों (जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर) में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

राजस्थान के सबसे गर्म शहर...

पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो राज्य के अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहा और दिन में तेज धूप रही। शनिवार (9 मई) दिन में सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही, जहां का अधिकतम तापमान 45.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 45 और फलोदी में 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इन तीनों ही एरिया में सुबह से हीटवेव का प्रभाव रहा, जो देर शाम तक जारी रहा। इन जिलों के अलावा चित्तौड़गढ़, जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जालोर में भी गर्मी तेज रही। चित्तौड़गढ़ में शनिवार दिन का अधिकतम तापमान 43.8, जोधपुर में 43.9, बीकानेर में 42.2, जालौर में 41.1 और श्रीगंगानगर में 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

पूर्वी राजस्थान में पारा 40 से नीचे

पश्चिमी जिलों में तेज गर्मी और हीटवेव रहा, लेकिन पूर्वी जिलों में तेज गर्मी से थोड़ी राहत रही। सीकर, पिलानी (झुंझुनूं), अलवर, टोंक, दौसा, करौली, फतेहपुर (सीकर) समेत कई स्थानों पर शनिवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। कोटा जिले के आसपास दिन में हल्के बादल छाए और हल्की से मध्यम गति से हवा चली।

अमेरिका-ईरान अगले हफ्ते फिर इस्लामाबाद में बातचीत कर सकते हैं

ट्रम्प बोले- ईरान के जवाब का इंतजार; तेहरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने की मांग ठुकराई

एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर अगले हफ्ते पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर बातचीत शुरू हो सकती है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश मध्यस्थों के जरिए एक समझौता ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जिससे एक महीने तक चलने वाली औपचारिक वार्ता का रास्ता खुल सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित 14 बिंदुओं वाले ड्राफ्ट में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने और ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को किसी दूसरे देश भेजने जैसे मुद्दे शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें ईरान की तरफ से जल्द जवाब मिलने की उम्मीद है। अगर बातचीत आगे बढ़ी तो सीजफायर को और लंबा किया जा सकता है। साथ ही अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम या हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर कोई समझौता नहीं करेगा।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

1. **ईरान बोला- होर्मुज में दखल दिया तो जंग फिर शुरू होगी:** ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर उसने होर्मुज स्ट्रेट में फिर दखल दिया तो क्षेत्र में दोबारा युद्ध शुरू हो सकता है।

2. **अमेरिका का दावा- 70 से ज्यादा जहाजों को रोका:** यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने 70 से ज्यादा जहाजों को ईरानी बंदरगाहों तक पहुंचने या वहां से निकलने से रोका। अमेरिका के मुताबिक इन जहाजों में 13 अरब डॉलर से ज्यादा कीमत का तेल ले जाने की क्षमता थी।

3. **यूएई पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का दावा:** यूएई ने कहा कि ईरान ने 2 बैलिस्टिक मिसाइल और 3 ड्रोन दागे, जिन्हें एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में नष्ट कर दिया। हमले में 3 लोगों के घायल होने की जानकारी दी गई।

4. **ईरान-अमेरिका के बीच 30 दिन के समझौते पर चर्चा:** रिपोर्ट्स के मुताबिक

दोनों देश 30 दिन तक संघर्ष रोकने और होर्मुज स्ट्रेट को व्यापारिक जहाजों के लिए खोलने के प्रस्ताव पर बातचीत कर रहे हैं। परमाणु कार्यक्रम और एनरिच्ड यूरेनियम अभी सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है।

5. **होर्मुज संकट से तेल और सोने की कीमतों में उछाल:** होर्मुज स्ट्रेट में तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 103 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। वहीं अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से सोने की कीमतों में तेजी देखी गई।

कानून-व्यवस्था मजबूत करने पर फोकस, जयपुर कमिश्नर ने ली समीक्षा-बैठक

जयपुर

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शनिवार को पुलिस कमिश्नरेट में कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों में भय का वातावरण स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

पुलिस कमिश्नर ने महिला अत्याचार, बाल अपराध और एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मामलों में पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में चोरी, नकबजनी और संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने और अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही नए आपराधिक कानूनों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने और थानों में आवश्यक प्रशिक्षण को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश, एडिशनल पुलिस कमिश्नर सिटी अजय सिंह राठौड़, एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस लॉ एंड ऑडर राजीव पचार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन योगेश दाधीच सहित सभी पुलिस डीसीपी मौजूद रहे। बैठक में जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश, एडिशनल पुलिस कमिश्नर सिटी अजय सिंह राठौड़, एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस लॉ एंड ऑडर राजीव पचार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन योगेश दाधीच सहित सभी पुलिस डीसीपी मौजूद रहे।

ईडी ने पंजाब मंत्री संजीव अरोड़ा को किया गिरफ्तार!, मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी त्रस्ज्ज बिलिंग का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब सरकार में बिजली, उद्योग, निवेश प्रोत्साहन और स्थानीय निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया है। चंडीगढ़ के पॉश सेक्टर-2 स्थित उनके सरकारी आवास पर कई घंटे चली तलाशी कार्रवाई के बाद ईडी ने यह कदम उठाया। हालांकि अभी तक उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि ईडी या अन्य अधिकारियों ने नहीं की है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक जल्द ही ईडी अधिकारी उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि कर सकते हैं। ईडी अधिकारियों के अनुसार, संजीव अरोड़ा पर उनकी कंपनी के माध्यम से बड़े पैमाने पर मनीलांड्रिंग करने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि 100 करोड़ रुपये से अधिक के मोबाइल फोन की फर्जी त्रस्ज्ञ खरीद दिखाकर और बाद में निर्यात के जरिए दुबई से भारत तक अवैध धन की राउंड ट्रिपिंग की गई।

वाम दलों ने जगाई विजय की आशा

सूत्रों के मुताबिक, ईडी की करीब 20 सदस्यीय टीम सुबह कई वाहनों के साथ मंत्री के आवास पर पहुंची थी। यह पिछले कुछ महीनों में अरोड़ा के खिलाफ तीसरी तलाशी कार्रवाई बताई जा रही है। इससे पहले भी एक महीने से कम समय पहले छापेमारी हुई थी। ईडी ने दिल्ली, गुरुग्राम और चंडीगढ़ में कुल पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इनमें हैम्पटन स्काई रिएलिटी लिमिटेड के कार्यालय और संजीव अरोड़ा से जुड़े अन्य परिसरों को शामिल किया गया।

अग्नि की एडवांस मिसाइल का सफल परीक्षण

एक से ज्यादा परमाणु हथियार ले जा सकती है, एक साथ कई टारगेट पर निशाना लगाने की टेक्नोलॉजी

एजेंसी

भुवनेश्वर। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने शुक्रवार को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल परीक्षण सेंटर से अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया। डीआरडीओ ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस मिसाइल में मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल सिस्टम लगाया गया है, जिससे एक साथ कई परमाणु हथियारों को ले जाया जा सकता है। साथ ही एक बार में कई टारगेट को निशाना बनाया जा सकता है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने अलग-अलग जगहों पर मौजूद कई टारगेट्स को सफलतापूर्वक हिट किया। ये सभी टारगेट हिंद महासागर क्षेत्र में फैले हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह भारत की दूसरी इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी रेंज लगभग 5 हजार से 7 हजार किलोमीटर तक है। इसकी स्पीड इतनी ज्यादा है कि दुश्मन के रडार और मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए इसे रोकना लगभग नामुमकिन है।

अग्नि-5 पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल

अग्नि सीरीज में भारत के पास अग्नि-1, 2, 3, 4 और 5 मिसाइलें हैं। अग्नि-5 भारत की पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल थी, जिसे डीआरडीओ ने बनाया है। ये भारत के पास मौजूद लंबी दूरी की मिसाइलों में से एक है। ढ्ढष्टक्चरूऐसी मिसाइलें होती हैं, जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक हमला कर सकती हैं। इस मिसाइल की रेंज 5 हजार

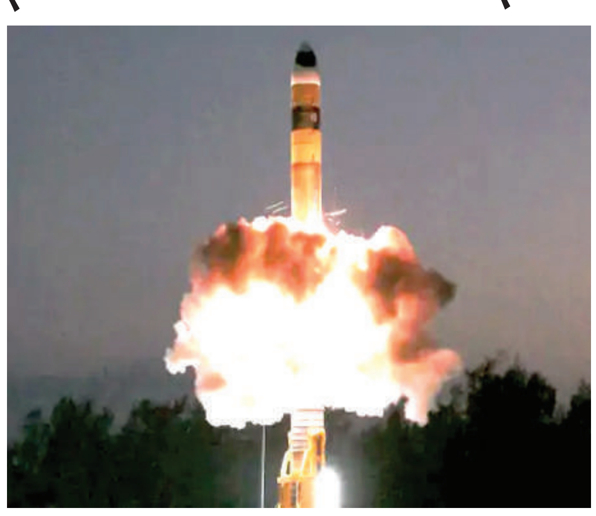

किलोमीटर है। अग्नि- 5 बैलिस्टिक मिसाइल एक साथ कई हथियार ले जाने में सक्षम है। ये मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल से लैस है। यानी एक साथ कई टारगेट्स के लिए लॉन्च की जा सकती है। यह मिसाइल डेढ़ टन तक न्यूक्लियर हथियार अपने साथ ले जा सकती है। इसकी स्पीड मैक 24 है, यानी आवाज की स्पीड से 24 गुना ज्यादा। अग्नि-5 के लॉन्चिंग सिस्टम में कैनिस्टर तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इस वजह से इस मिसाइल को कहीं भी आसानी से ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है। अग्नि-5 मिसाइल का इस्तेमाल भी बेहद आसान है, इस वजह से देश में कहीं भी इसकी तैनाती की जा सकती है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल के बायो बदले

मुख्यमंत्री की जगह 15वीं, 16वीं, 17वीं विधानसभा का सीएम और टीएमसी फाउंडर लिखा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया हैंडल के बायो बदल दिए। उन्होंने लिखा- फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और 15वीं,16वीं,17वीं विधानसभा की मुख्यमंत्री। इससे पहले उनके बायो में फाउंडर चेयरपर्सन ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर, पश्चिम बंगाल लिखा था। बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार कर दिया। ममता ने इस्तीफा नहीं दिया। 7 मई को पश्चिम बंगाल की 17वीं विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया है। इसके बाद राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी थी.

योगी मंत्रिमंडल में आज 6 नए मंत्री बनेंगे

दोपहर 3 बजे राजभवन में होगा शपथ ग्रहण; सीएम ने राज्यपाल को लिस्ट सौंपी

एजेंसी

लखनऊ। योगी कैबिनेट का रविवार को दूसरी बार विस्तार होगा। दोपहर 3 बजे 5-6 नए मंत्री शपथ लेंगे। सीएम योगी शनिवार शाम करीब साढ़े 6 बजे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलने पहुंचे हैं। योगी ने राज्यपाल को नए बनने वाले मंत्रियों की लिस्ट सौंपी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कुछ मंत्रियों की छुट्टी भी हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो रविवार को शपथ लेने वाले मंत्रियों की संख्या बढ़ भी सकती है। सपा से बगावत करने वाले विधायक मनोज पांडेय और पूजा पाल का मंत्री बनना लगभग तय है। इनके अलावा नाई समाज से एमएलसी रामचंद्र प्रधान, विश्वकर्मा समाज से वाराणसी के भाजपा एमएलएसी हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री बनाया जा सकता है। जाट समाज से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को जगह मिल सकती है। ब्राह्मण

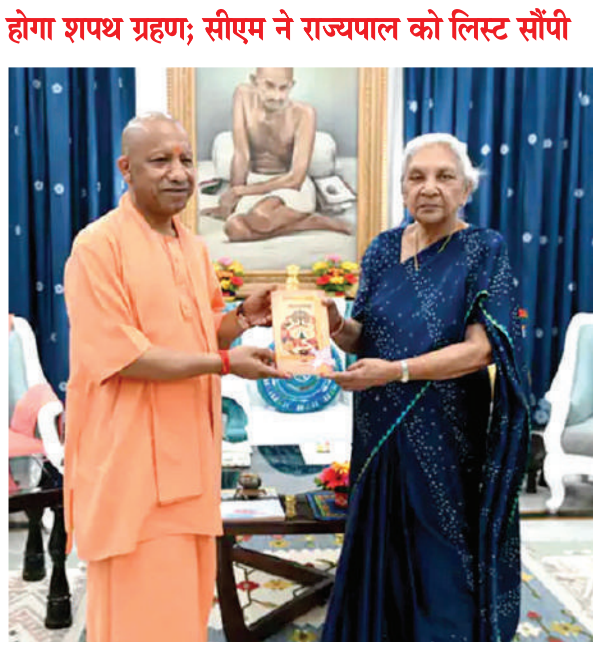

समाज से पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा, भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला भी मंत्री पद की दौड़ में हैं। इनके अलावा कृष्णा पासवान को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। अभी सीएम योगी को मिलाकर कुल 54 मंत्री हैं। इस तरह 6 मंत्री और बन सकते हैं। योगी 2.0 का पहला विस्तार लोकसभा चुनाव- 2024 से ठीक पहले 5 मार्च, 2024 को हुआ था।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

इंटेलिजेंस बोली- गोलीबारी और आत्मघाती हमला भी हो सकता है, भाजपा हेडक्वार्टर-सरकारी इमारतों की सुरक्षा बढ़ाई

नई दिल्ली।

इंटेलिजेंस एजेंसियों ने दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के आधार पर यह जानकारी दी है। एजेंसी के मुताबिक, भाजपा मुख्यालय और आसपास की सरकारी इमारतों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एजेंसियों को शक है कि दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित कार्यालयों को आत्मघाती हमलों, कार ब्लास्ट, गोलीबारी या आईईडी के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। किसी भी खतरे को टालने के लिए सुरक्षा बलों ने निगरानी और एहतियाती कदम बढ़ा दिए हैं।

जवानों की तैनाती और सीसीटीवी निगरानी बढ़ी

पुलिस और सुरक्षा बलों ने अतिरिक्त जवानों की तैनाती, चेकिंग और सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने

के लिए बैरिकेडिंग और वाहनों की रैंडम चेकिंग के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए आपसी तालमेल से काम कर रही हैं। बम निरोधक दस्तों, स्निफर डॉग यूनिट्स और क्विक रिएक्शन टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली फायर सर्विस को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस को संवेदनशील इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों, लावारिस वस्तुओं और खड़े वाहनों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है। दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर शाम 6 .52 बजे आतंकी हमला हुआ था। आतंकवादी ने चलती कार में धमका किया था। इस धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। इस धमाके के तार टेरर मॉड्यूल से जुड़े थे। जिसका खुलासा जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 1 दिन पहले हरियाणा से किया था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इनमें ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर, इकोस्पोर्ट और आई20 जैसी गाड़ियां शामिल थीं।

एटीएस ने लॉरेंस विश्नोई गैंग के एक्टिव मेंबर को दबोचा

घर में सीढ़ियों के नीचे छिपाकर रखे कारतूस बरामद; विदेश में बैठे गैंगस्टर के संपर्क में था

एजेंसी

जयपुर। एटीएस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस विश्नोई गैंग के एक एक्टिव मेंबर को गिरफ्तार किया है। टीम ने दबिश देकर पकड़े बदमाश के घर में सीढ़ियों के नीचे छिपाकर रखे गए कारतूस भी बरामद किए गए। आरोपी अनिल कुमार उर्फ मोंटी निवासी कुशलपुरा सामोद विदेश में बैठे गैंगस्टर के सीधे संपर्क में था और गैंग की गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। फिलहाल एटीएस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में जुट गई है।

इंडिया से बाहर फरारी काट रहा सुनील मीणा

एडीजी (एटीएस) दिनेश एमएन ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी अनिल कुमार उर्फ मोंटी फरार गैंगस्टर सुनील कुमार मीणा उर्फ एस.के से डायरेक्ट कॉन्टैक्ट में था, जिसे लॉरेंस गैंग का करीबी माना जाता है गैंगस्टर सुनील मीणा मूलत: करतारपुर ग्रामीण जालंधर निवासी है। वह वर्तमान में इंडिया से बाहर फरारी काट रहा है। उसके विदेशी गैंगस्टरों खासकर पाकिस्तान में बैठे अपराधियों से भी संपर्क होने की जानकारी मिली है।

एटीएस ने आमजन से अपील की है कि अवैध हथियारों के परिवहन, खरीद-फरोख्त या कब्जे से संबंधित किसी भी सूचना को हेल्पलाइन नंबर 0141-2610949 और व्हाट्सएप नंबर 90019-99070 पर साझा करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उचित इनाम भी दिया जाएगा।

~~मदर्स डे~~

वृद्धाश्रम में मदर्स डे का सच

हे ईश्वर ऐसे बेटे मत दे...

भारती जैन, प्रमोद कुमार

जयपुर। जहां पूरी दुनिया मदर्स डे पर मां को फूल, उपहार और पोस्टकार्ड से नवाज रही है, वहीं जयपुर के वृद्धाश्रमों में कई माताएं बस एक फोन कॉल या बच्चों की एक झलक का इंतजार कर रही हैं। उनकी आंखों में आज भी वही ममता है, लेकिन अकेलेपन का दर्द साफ झलकता है।

मां का प्यार

बच्चों की बेरुखी

मेरा बेटा तो अच्छा है, लेकिन बहू मुझे घर पर नहीं रखना चाहती

“ हरे कृष्णा वृद्धाश्रम की एक बुजुर्ग मां ने आंसू पोछते हुए बताया मैंने बेटे के हर जन्मदिन पर अपना सबकुछ लुटाया। आज मदर्स डे पर भी मैं अकेली हूं। दोनों का घर बस गया है, इसलिए मैं यहां रहती हूं ताकि उनके घर में मेरी वजह से कोई क्लेश न हो। ऐसी ही कई माताएं यहां हैं, जिन्होंने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा किया, लेकिन उम्र ढलने पर उन्हें ‘बोझ’ समझ लिया गया।

रिश्तों की गर्माहट ठंडी पड़ रही है

जयपुर के श्री हरे कृष्णा वृद्धाश्रम और श्री कृष्णा वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों का कहना है कि वक्त बदल गया है। रिश्तों में गर्माहट कम हो गई है, लेकिन मां का दिल आज भी बच्चों के लिए उतना ही धड़कता है, जितना बचपन में धड़कता था। एक अन्य मां ने भावुक होकर कहा, मदर्स डे सिर्फ एक दिन की औपचारिकता नहीं है। यह उस मां को सम्मान देने का अवसर है, जिसने बिना स्वार्थ के अपनी पूरी जिंदगी बच्चों को समर्पित कर दी। मां... एक शब्द जिसमें पूरी दुनिया समाई है अगर आपके घर में मां हैं, तो उन्हें सिर्फ उपहार न दें। अपना समय, सम्मान और प्यार दें। क्योंकि मां का प्यार जीवन भर साथ रहता है, लेकिन मां हमेशा जीवन भर साथ नहीं रहती।

वृद्धाश्रम की संचालिका दीक्षा का संदेश

श्री कृष्णा वृद्धाश्रम की संचालिका दीक्षा ने बताया, बुजुर्गों की सेवा करना मुझे बेहद अच्छा लगता है। इसी सोच के साथ 1997 में एनजीओ के माध्यम से इस आश्रम की शुरुआत की। आज यह आश्रम कई बुजुर्गों के लिए एक परिवार बन चुका है।

एक फोन कॉल की आस में मदर्स डे

पीके बृजवाल जयपुर

पिछले सप्ताह टीम के साथ बैठकर कुछ स्पेशल स्टोरी प्लान कर रहा था,उस दौरान एक आइडिया आया की 10 मई को मदर्स डे है और हमें उस दिन मां के उस दर्द को सामने लाना है जो अपने बेटे ने दिया है। इस स्पेशल स्टोरी का जिम्मा हमारे चैनल की सीनियर एंकर भारती जैन को दिया। भारती जैन और सीनियर रिपोर्टर प्रमोद कुमार ने मिलकर एक ऐसी स्टोरी को कवर किया जिसकी स्क्रिप्ट को देखकर आंखो से आंसू आ गये। जब यह स्टोरी मेरे ऑफिस की टेबल पर आई, तो मैंने सोचा था कि रोज की तरह एक और न्यूज़ स्टोरी होगी। लेकिन जैसे ही वीडियो क्लिप प्ले किया तो खुद सोचने पर मजबूर हो गया। पीटूसी को जब देखा तो उसमे एंकर भारती जैन भावुक होती हुई दिखाई दी। सीनियर रिपोर्टर प्रमोद जैन भी इस स्टोरी को कवर करते हुए कई बार रोये होंगे। क्योंकि यह स्टोरी कोई स्टोरी नहीं थी। यह आईना थी। हम सबके लिए। खासकर उन बेटों के लिए, जो आज इस देश में मां को ‘बोझ’ समझ रहे हैं। हरे कृष्णा वृद्धाश्रम, जयपुर। जहां दुनिया मां को स्पेशल फील कराने में लगी है, वहां कुछ माताएं सिर्फ एक फोन कॉल की राह देख रही हैं। या अपने बच्चों की एक झलक की। उनकी आंखों में आज भी वही ममता है, जो बचपन में थी। लेकिन साथ में अकेलेपन का दर्द भी साफ दिखता है। एक बुजुर्ग महिला ने कैमरे के सामने कहा, ‘मेरी बहू मुझे रखना नहीं चाहती। बेटा तो सही है, लेकिन दोनों का घर बसा है। इसलिए मैं यहां हूं। ताकि उनके घर में मेरी वजह से कोई क्लेश न हो।यह एक वाक्य था, लेकिन इसमें पूरी सदी की कृतघ्नता समा गई। मैंने सोचा, कितनी बार हमने अपनी मां से यही सुना होगा - ‘बेटा, तुम खुश रहो, मैं ठीक हूं।’ मां कभी नहीं कहती कि वह दुखी है। वह तो बस अपना सबकुछ लुटा देती है। जन्मदिन पर, त्योहार पर, हर मौके पर। लेकिन मदर्स डे पर भी जब वह अकेली होती है, तो दुनिया को क्या पता?

जहां दुनिया मां को स्पेशल फील कराने में लगी है, वहां कुछ माताएं सिर्फ एक फोन कॉल की राह देख रही हैं। या अपने बच्चों की एक झलक की। उनकी आंखों में आज भी वही ममता है, जो बचपन में थी।

यह स्टोरी सिर्फ जयपुर के एक आश्रम की नहीं है। यह पूरे भारत की कहानी है। आज भारत में बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। 2026 तक 12 प्रतिशत से ज्यादा आबादी 60 साल से ऊपर होगी। लेकिन साथ ही परिवार टूट रहे हैं। आंकड़े कहते हैं कि हर साल हजारों बुजुर्ग बच्चे छोड़कर चले जाते हैं। केरल जैसे राज्य में ही 20,000 से ज्यादा मामले संपत्ति और देखभाल के लिए अदालत पहुंच चुके हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली - हर जगह यही कहानी।

मां... सिर्फ चार अक्षर। लेकिन इसमें पूरी दुनिया समाई हुई है। वह शब्द जिसे सुनते ही बचपन की याद आ जाती है। वह खुश्बू जो रसोई से आती थी। वह हाथ जो सिर पर फेरता थी। वह आंखें जो रात भर जागकर बुखार में भी हमारे माथे पर हाथ रखती थीं। हमने उसे कभी ‘मां’ कहा, कभी ‘मम्मी ‘, कभी ‘माता जी ‘। लेकिन आज हम उसे ‘बोझ’ कह रहे हैं।

हरे कृष्णा वृद्धाश्रम की संचालिका दीक्षा जी ने बताया, ‘साल 1997 से हम यह सेवा चला रहे हैं। शुरू में कुछ बुजुर्ग थे। आज यहां परिवार-सा माहौल है। लेकिन हर मदर्स डे पर हम देखते हैं कि कितनी माताएं खिड़की के पास बैठकर मोबाइल देखती रहती हैं। एक मैसेज का इंतजार। एक कॉल का।’

दीक्षा जी का यह वाक्य मेरे दिल को छू गया । वास्तव में इन बेटो की शादी हो गई। बच्चे हुए। करियर बन गया। घर बड़ा हो गया। गाड़ी आई। लेकिन मां के लिए एक कमरा भी छोटा पड़ने लगा। बहू ने कहा, ‘मम्मी जी की वजह से झगड़े हो रहे हैं।’ और तुमने? चुपचाप बैग पैक कर दिया। वृद्धाश्रम का पता पूछ लिया।

क्या तुम जानते हो कि उस वक्त मां ने क्या महसूस किया होगा?

वह मां, जिसने तुम्हें अपनी कोख में 9 महीने ढोया, दर्द सहा, दूध पिलाया, स्कूल भेजा, पढ़ाया, नौकरी दिलवाई, शादी की - आज वह कह रही है, ‘मैं उनके घर में क्लेश न बनूं, इसलिए यहां हूं। बेटा, यह क्लेश नहीं, तुम्हारी कृतघ्नता है।

बांग्लादेश में खसरे का कहर, टेस्टिंग किट की कमी से जांच ठप होने का खतरा; अब तक 300 से ज्यादा मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच पूरे देश में खसरे की जांच करने वाली इकलौती लैब मोहखाली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ की लैब में टेस्टिंग किट की भारी कमी है। जरूरी खरीद में देरी के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नई किट्स समय पर नहीं पहुंचीं, तो 11 मई के बाद पूरे देश में खसरे की जांच बंद हो सकती है। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाएगा कि असल में कितने लोग संक्रमित हैं।

बांग्लादेशी दैनिक ‘ढाका ट्रिब्यून’ की रिपोर्ट के अनुसार, यह लैब हर दिन देशभर से आने वाले करीब 300 सैंपल की जांच करती है। अधिकारियों का कहना है कि अगर इसी रफ्तार से टेस्टिंग चलती रही और नई किट्स नहीं मिलीं, तो हालात तेजी से बिगड़ सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि खसरे का प्रकोप अब काफी चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुका है। उनका मानना है कि अगर इसे आधिकारिक तौर पर महामारी घोषित किया जाए, तो इलाज के लिए एक समान व्यवस्था लागू की जा सकेगी और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्यकर्मियों को बेहतर तरीके से लगाया जा सकेगा।

साथ ही, ज्यादा टेस्टिंग होने से संक्रमित लोगों की पहचान जल्दी हो सकेगी, उन्हें अलग रखकर संक्रमण फैलने से रोका जा सकेगा और समय पर इलाज भी मिल पाएगा। इंस्टीट्यूट के सूत्रों का हवाला देते हुए, ‘ढाका ट्रिब्यून’ ने बताया कि खसरे की टेस्टिंग किट्स विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) देता है। एक किट से लगभग 90 लोगों की जांच हो सकती है। किट्स की कमी के कारण टेस्टिंग बढ़ाना संभव नहीं हो पा रहा है और कई सैंपल बिना जांच के पड़े हैं।

सोमवार तक लैब के पास सिर्फ सात टेस्टिंग किट्स बची थीं, लेकिन अगले दो दिनों में वह स्टॉक भी लगभग खत्म हो गया। वायरोलॉजिस्ट महबूबा जमील ने कहा, ‘अभी सही संख्या बताना मुश्किल है, लेकिन किट्स

बहुत तेजी से खत्म हो रही हैं। हमने डब्ल्यूएचओ को इसकी जानकारी दे दी है। उनका कहना है कि नई किट्स आने में एक से डेढ़ हफ्ता लग सकता है। तब तक हमें बची हुई किट्स से ही काम चलाना होगा। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर मोमिनुर रहमान ने भी किट्स की कमी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, ‘करीब एक महीने पहले डब्ल्यूएचओ को किट्स के लिए अनुरोध भेजा गया था, लेकिन अभी तक सप्लाई नहीं मिली है। उम्मीद है कि 15 मई तक किट्स मिल जाएंगी। फिलहाल बची हुई किट्स से टेस्टिंग जारी है।’

डॉक्टरों ने दी चेतावनी: इस बीच डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि इलाज में देरी होने से बच्चों में सांस लेने में दिक्कत, शरीर में ऑक्सीजन की कमी, दिमाग में सूजन, लंबे समय तक दस्त और दौरे जैसी गंभीर समस्याएं बढ़ रही हैं। इससे मौत का खतरा भी बढ़ सकता है। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट मुश्ताक हुसैन ने कहा, ‘जब यह साफ हो गया था कि खसरे की स्थिति गंभीर है, तब ही पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर देनी चाहिए थी। इससे इलाज की सुविधाएं बेहतर होतीं और लोगों में जागरूकता भी बढ़ती।’ उन्होंने यह भी कहा कि तुरंत बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन अभियान चलाने, उपजिला स्तर पर इलाज की सुविधाएं बढ़ाने और ऑक्सीजन समेत जरूरी मेडिकल उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था करने की जरूरत है। किट्स से ज्यादा जरूरी वैक्सीनेशन है। किट्स का काम सिर्फ मरीजों की संख्या पता करना है, लेकिन संक्रमण रोकने में वैक्सीन सबसे असरदार होती है। बांग्लादेश में खसरे के इस प्रकोप में अब तक 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो संक्रमण तेजी से फैल सकता है, क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति 16 से 18 लोगों तक बीमारी फैला सकता है। इसके साथ ही मरने वालों का कुल आंकड़ा बढ़कर 336 हो गया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के मुताबिक, स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक दिन में देशभर के अस्पतालों में खसरे के लक्षणों वाले 1,238 नए बच्चों को भर्ती कराया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रिक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रिक एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झेलना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रबंध संपादक - पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)